सफ़लता की कहानियां

राजस्थान स्कूल नेतृत्व अकादमी, (आरएसएलए), जयपुर

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट), राजस्थान

जर्जर इमारत से PM SHRI स्कूल तक: लाडपुरा विद्यालय की अभूतपूर्व यात्रा

राजस्थान के कोटा जिले के लाडपुरा क्षेत्र में स्थित यह विद्यालय सन 1999 में स्थापित हुआ था। उस समय यह विद्यालय अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ था। जर्जर भवन, फर्नीचर की कमी, शुद्ध पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव, खेलकूद और प्रयोगशालाओं की कमी, ये सब मिलकर एक ऐसा वातावरण बना रहे थे जिसमें बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता था। अभिभावकों का विश्वास भी कमजोर होता जा रहा था और विद्यालय धीरे-धीरे अपनी पहचान खोने लगा था। इसी बीच विद्यालय की जिम्मेदारी जब श्री सुरेश जी ने संभाली, तो उन्होंने ठान लिया कि इस स्थिति को बदलना है। उनका विश्वास था कि यदि विद्यालय को बेहतर संसाधनों, नवीन सोच और सामुदायिक सहयोग से सशक्त बनाया जाए तो यह बच्चों की प्रगति का सबसे मजबूत आधार बन सकता है। उन्होंने अपने प्रयासों की शुरुआत स्थानीय समुदाय, भामाशाहों और सरकारी योजनाओं से सहयोग जुटाकर की। विद्यालय के भवन का नवनिर्माण कराया गया, फर्नीचर, शुद्ध पेयजल और बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। बच्चों के लिए विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और स्मार्ट क्लास तैयार की गईं। BaLA (Building as Learning Aid) की अवधारणा को अपनाकर हर दीवार और हर कोने को सीखने का साधन बना दिया गया।

इसके साथ ही विद्यालय में डिजिटल शिक्षा की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए। कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, टीवी और सीसीटीवी जैसी आधुनिक सुविधाएँ जोड़ी गईं। बच्चों के लिए खेल का मैदान विकसित किया गया और नियमित गतिविधियों के माध्यम से उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दिया गया। विद्यालय परिसर में पौधारोपण, वर्षा जल संरक्षण और रसोई बगीचे जैसी पर्यावरणीय पहलें शुरू की गईं, जिससे यह विद्यालय एक हरित और टिकाऊ मॉडल के रूप में उभरा। इन सबके साथ सबसे बड़ा परिवर्तन यह था कि समुदाय विद्यालय से जुड़ने लगा। अभिभावकों और पूर्व छात्रों ने विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की और शिक्षा को लेकर गाँव में नई सोच विकसित हुई। धीरे-धीरे विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ने लगी, उनका आत्मविश्वास मजबूत हुआ और विद्यालय का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। आज यह विद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि क्षेत्र का गौरव है। यहाँ शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और कौशलों से जुड़ी हुई है। विद्यार्थी उत्साहपूर्वक विद्यालय आते हैं, सीखते हैं और समाज में अपना योगदान देने के लिए तैयार होते हैं।

इन सतत प्रयासों का नतीजा यह रहा कि विद्यालय को PM SHRI योजना में चयनित किया गया। अब यह विद्यालय क्षेत्र का आदर्श मॉडल है, जहाँ हर कक्षा भविष्य की आशा जगाती है और हर गतिविधि बच्चों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने की राह दिखाती है। "आज हमारा विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ हर बच्चा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। यहाँ शिक्षा केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की ओर एक यात्रा है।"